मेंस्ट्रयूअल ब्लड स्टेम सेल अब भारत में

लाइफसेल पहली और एकमात्र ऐसी कंपनी है, जिसने भारत में मेंस्ट्रयूअल ब्लड स्टेम सेल बैंकिंग की पेशकश की है और इस नवीन प्रौद्योगिकी को लॉन्च करके लाइफसेल ने उद्योग जगत में अपनी अग्रणी स्थिति को साबित कर दिया है। मेंस्ट्रयूअल ब्लड बैंकिंग की अगुवाई क्रायो-सेल इंटरनेशनल, यूएसए द्वारा की जा रही है, जो लाइफसेल के प्रौद्योगिकी साझेदार हैं और इस सेवा को सीएल के ब्रांड नाम से अन्य देशों में पेश करते हैं।

अभी तक, मेंस्ट्रयूअल ब्लड को अस्वच्छकर अपशिष्ट के रूप में विसर्जित किया जाता था। हालांकि आधुनिक अनुसंधानों से पता चला है कि मेंस्ट्रयूअल ब्लड में काफी मात्रा में स्वतः नवीनीकरण करने वाली स्तंभ कोशिकाएं होती हैं। ये कोशिकाएं, तेज़ी से बहुगणित होती हैं और अन्य अनेक प्रकार की कोशिकाओं के रूप में विभेदीकृत की जा सकती हैं, जैसे न्यूरल, कॉर्डियक, बोन, फैट, कॉर्टिलेज और संभावित अन्य भी, जिससे कोशिका उपचार (सेल थैरेपी) के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं प्रकट होती हैं।

प्रत्येक माह, महिला के मासिक चक्र के दौरान यूटेराइन लाइनिंग-एंडोमेर्टियम, अतिरिक्त रक्त और ऊतकों सहित विसर्जित होता है। यूट्रस की इस लाइनिंग में काफी संख्या में मेसेनकाइमल स्तंभ कोशिकाएं होती हैं और स्तंभ कोशिका संवृद्धि कारकों का कई हजार गुणा उच्च सांद्रण होता है। एंडोमेर्टियम की ये कोशिकाएं अनूठी होती हैं, क्योंकि इनमें अनेक गुण और विशेषताएं होती हैं, जो अस्थि मज्जा और एम्ब्रॉयोनिक स्तंभ कोशिकाओं के समान होती हैं।

मेसेनकाइमल सेल थैरेपी का लक्ष्य नॉन-हेमैटोपोइटिक ऊतकों की बीमारियों का उपचार उसी तरह से करने से संबन्धित है, जैसे हेमैटोपोइटिक स्तंभ कोशिका प्रत्यारोपण से ल्यूकेमिया का उपचार होता है। मेंस्ट्रयूअल स्तंभ कोशिकाओं में मानव शरीर की लगभग प्रत्येक अन्य प्रकार की कोशिका के रूप में विभेदीकृत होने की संभावना होती है।

यद्यपि अभी तक मेंस्ट्रयूअल स्टेम सेल तकनीक को मानव उपचार में उपयोग नहीं किया जाता है, लेकिन जारी अनुसंधानों से सामूहिक रूप से निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि भविष्य में अनेक प्रमुख चिकित्सकीय रोगों के उपचार हेतु प्रयोग की जाने वाली उपचार विधियों में भारी बदलाव की संभावना है, जैसे- अल्जाइमर्स डिजीज, एथेरोस्कलेरोसिस, डायबिटीज, हार्ट डिजीज, इंफ्लेमेटरी बावेल डिजीज, पार्किसन्स डिजीज, ऑस्टियोआर्थराइटिस, यूमांटाइड ऑर्थराइटिस और अनेक अन्य बीमारियां।

मयूर अभय, कार्यकारी निदेशक, लाइफसेल इंटरनेशनल का कहना है कि 'अम्बिलिकल कॉर्ड स्टेम सेल बैंकिंग के क्षेत्र में अवधारणा की अगुवाई देश में करने की हमारी सफलता के बाद, हमें लाइफसेल फेम मेंस्ट्रयूअल ब्लड स्टेम सेल बैंकिंग को पेश करते हुए गर्व है। भारत में, मेंस्ट्रयूअल ब्लड से अनेक मिथ और निषेध जुड़े है, और ऐसी पारंपरिक रूढ़ियों और भ्रांतियों से छुटकारा दिलाकर इसे लोगों के लिए स्वीकार्य बनाना हमारी वास्तविक चुनौती है।'

लाइफसेल फेम, वार्षिक भंडारण योजना के अंतर्गत प्रथम वर्ष के लिए 29,900 रुपए की लागत पर उपलब्ध है। इस बार प्रत्येक वर्ष के लिए ग्राहकों को केवल 1,500 रुपए का ही भुगतान करना होगा, जो वे अपनी इच्छानुसार असीमित वर्षों तक मेंस्ट्रयूअल ब्लड स्तंभ कोशिकाओं को सुरक्षित बनाए रखने के लिए कर सकते हैं। एक बार भुगतान विकल्प भी उपलब्ध है और इसे 24 महीनों तक देय केवल 4,200 रूपए मासिक की ईएमआई पर सबस्क्राइब किया जा सकता है, जिसके अंतर्गत बिना किसी अतिरिक्त अंतरिम लागत के 60 वर्ष की उम्र तक स्तंभ कोशिकाओं को संरक्षित रखा जाएगा।